नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

आंतरिक शक्ति ही महिला सशक्तिकरण का आधार - प्रो. पुष्पा मोतियानी

वर्धा दि. 31 जुलाई 2015: भारतीय लोकतंत्र में स्थान मिलने मात्र से महिला सशक्तिकरण नहीं होगा इसके लिये महिलाओं की आंतरिक शक्ति को बढ़ावा देना होगा जो महिलाओं में आत्मविश्वास को बढ़ावा देगा। उक्त उदबोधन गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद से गांधी अध्ययन एवं शोध संस्थान की विभागाध्यक्ष प्रो. पुष्पा मोतियानी ने व्यक्त किये। वह महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विकास एवं शांति अध्ययन विभाग में "महिला सशक्तिकरण और भारतीय लोकतन्त्र" विषय पर गुरुवार को आयोजित व्याख्यान में बोल रही थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने की।

उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति और लोकतंत्र को मनी, मसल्स, मीडिया, माफिया और मल्टीनेशनल्स इन 'पांच पावर' ने हाई जैक कर लिया है। उनका मानना था कि महिलाओं का सशक्तिकरण करने के लिए उनके रक्षण, पोषण, शिक्षण की रक्षा करनी होगी।

अध्यक्षीय संबोधन में विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने कहा कि भारतीय संविधान मे महिलाओं की राजनीतिक क्षमता को मान्यता दिया जाना न केवल परंपरागत भारतीय समाज से विरासत में प्राप्त प्रतिमानों की तुलना में एक बिलकुल नया कदम था अपितु उस समय के सर्वाधिक उन्नत देशों के राजनीतिक आदर्शों से बढ़कर था। महिलाओं की राजनीतिक क्षमता की प्राप्ति में जिन दो प्रमुख शक्तियों ने उत्प्रेरक का काम किया वह था राष्ट्रीय आंदोलन और महात्मा गांधी का सफल नेतृत्व। उन्होंने गांधी

जी की यंग इंडिया की पक्तियों को दोहराते हुए कहा कि नारी को अबला कहना महापाप है। उन्होंने कहा कि आज महिलायें भारतीय राजनीति और शीर्ष पदों पर अपनी भागीदारी निभा रही हैं ।

सहायक प्रोफेसर चित्रा माली ने महिला सशक्तिकरण एवं महिला अधिकारों के हनन पर अपने विचार रखे। समापन संबोधन में सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश मिश्र ने नवीन छात्र-छात्राओं का स्वागत किया एवं सभी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। चर्चा में निर्भय कुमार, नीरज कुमार, भारती देवी, रवि शंकर, मुहम्मद शोएव, मेधावी शुक्ला आदि शोधार्थियों ने विचार रखे।

उक्त अवसर पर पंकज सिंह, प्रज्ञा वंजारी, मनीषा खरालकर, विद्या कांबले, रुपाली वर्मा, अलका, दीपक इरपतकर, भूषण साल्वे, सारंग विरुळकर उपस्थित थे। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग मनोज कुमार चौधरी ने दिया।